दैनिक जागरण, पृ०-6 02-4-16

शोध की अपील: **पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने मनाया 111वां स्थापना दिवस**

खाद्य के साथ पोषण सुरक्षा भी जरूरी: स्वामीनाथन

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : कृषि वैज्ञानिक और हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन का कहना है कि बदल रहे समय में अब खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों को ऐसे शोध की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिससे खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। डॉ. स्वामीनाथन पूसा स्थित भारतीय अनुसंधान संस्थान के 111वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अब सर्वदा हरित क्रांति की आवश्यकता है। ऐसी तकनीक अपनाने की जरुरत है, जिससे फसलों को हम अधिक उन्नत बना सकें। कटाई के बाद होने वाले नुकसान, जलवायु परिवर्तन के कारण बदलते फसल चक्र और घटते संसाधन के बावजूद वैज्ञानिकों को ऐसी तकनीक का विकास करना होगा ताकि विभिन्न चुनौतियों से निपटते हुए फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सके। साथ ही कहा कि भारतीय कृषि में आए उल्लेखनीय परिवर्तन में संस्थान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के स्थापना दिवस के मौके पर कृषि पुस्तकों का विमोचन करते डॉ. एमएस स्वामीनाथन। जागरण

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने कहा इस संस्थान को कृषि अनुसंधान, कृषि शिक्षा और प्रसार में हमेशा अग्रणी रहना होगा। पूसा संस्थान की उपलब्धियों को देखकर ही भारत सरकार ने झारखंड और असम में भी इसके तर्ज पर संस्थान स्थापित करने का मन बनाया है।

समारोह के दौरान संस्थान की निदेशक डॉ. रविंद्र कौर ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बासमती चावल की उन्नत प्रजाति पूसा बासमती 1121 और 1509 एवं गेहूं की कई उन्नत किस्मों का विकास किया है। इन किस्मों के विकास के बाद खाद्यान्न उत्पादन और निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। संस्थान ने 21 वानिकी फसलों की प्रजातियां, अपशिष्ट जल उपचार तकनीक, 1100 वायरस के नियंत्रण के लिए डीएन चिप के विकास के साथ 95 पेटेंट और 132 तकनीकों का बाजारीकरण भी किया है। इस अवसर पर डॉ. आरबी सिंह तथा डॉ. बीएल चोपड़ा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

[signature] 02/4/16
प्रभारी, समाचार पत्र यूनिट